

मु.मंत्री भजनलाल ने देश की पहली ‘‘डिजी वन फॉरेस्ट स्टैक’’ ऐप जारी की

विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश को हरा-भरा बनाने का संकल्प लेने का आव्हान किया

जयपुर, 21 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रशासनमंत्री नरेन्द्र मोदी के ‘एक पेड़ माँ के नाम’ अधियान से प्रेषण लेकर, राज्य सरकार ने मिशन ‘हरियाली राजस्थान’ के तहत 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसके अन्तर्गत, वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 10 करोड़ पौधे लगाए गए तथा इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

शर्मा शुक्रवार को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर जयपुर के राजस्थान स्टेटर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। हमारी संस्कृति में पेड़, प्रकृति एवं पहाड़ों की पूजा जो जाती है तथा राजस्थान का पर्यावरण संरक्षण क्यों न पुराना हमारा रहा है। उन्होंने आवाहन दिया कि बनने की बचाने और अपनी जैव-विविधता को संरक्षित करने के साथ, ही आने वाली पीढ़ी योंके लिए एक हरा भारा और स्वरक्षण राजस्थान का संकल्प तो।

शर्मा ने इस अवसर पर बन विभाग द्वारा विभागीय कार्यों में पारदर्शिता लाने हेतु नवीनतम आईटी तकनीक के उपयोग से विकासित ‘‘डिजी-वन-फॉरेस्ट स्टैक’’ ऐप का सुमाराम किया,



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य में हको ट्रूरिज्म तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान व नाहरगढ़ बायोलोजिकल पार्क में गोल्क कार्ट सुविधा का लोकार्पण किया।

सुविधा को प्रदेश की जनता को समर्पित किए तथा वन विभाग में कार्यरत महिला (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि कार्यिकों को भी उल्कृष्ट कार्य के लिए प्रदेश में पौधारपण के साथ-साथ उनकी रामखिलाड़ी को शनिवार को कोर्ट में चेता जायगा। इस स्वतंत्र में अब तक 49 निष्पक्ष लोडों की जरूरत बताई गयी है। जापान इंटरेशनल फॉरेस्ट एवं 25 करोड़ पौधे लगाए गए व इस वर्ष दस करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

■ मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ‘एक पेड़ माँ के नाम’ अधियान के तहत, राजस्थान में जो मिशन हरियाली राजस्थान शुरू किया गया है, उसके तहत 2024-25 में 7 करोड़ पौधे लगाए गए व इस वर्ष दस करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

■ खां व उसकी पत्नी जैतून ने अपने तीन अन्य बेटों, अमजद, सद्दाम और असफाक के साथ मिलकर अपने ही एक और बेटे समीर को पीट-पीट कर मार डाला था, अदालत ने आरोपियों पर 2.81 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया।

जो कि देशभर का पहला डिजिटल फॉरेस्ट स्टैक है। साथ ही, उन्होंने तंत्र सेवा संवर्धन (सीआरएसर्पी) के सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य में इको ट्रूरिज्म फैसिलिटीज तथा केवलादेव एवं प्रब्रह्म संस्थान को डिजिटल माध्यम से शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बनवित्रों को किट वितरित करना था: “क्षेत्रीय असंतुलन एक अन्य

परिवर्तन प्रतिक्रिया और परिस्थितिकों के साथ लाने के लिये अच्छा नहीं है।”

प्रसंगवश बता दें कि गृह मंत्री अवित शाह ने भी दक्षिणी राज्य जस्तखा नियन्त्रण के उपयोगों के मामले में अपेक्षाकृत बहत दक्षिणी राज्यों के साथ एकत्रिता दिखाई देती है। जुलाई में, आर.एस.एस. के मुख्य पत्र “आंगनाइजर” ने एक संपादकीय में “आंगनाइजर” को जारी किया था तथा कहा था कि ग्राम्यकिंश शिक्षा केवल मातृभाषा या किसी अन्य भारतीय भाषा में ही होनी चाहिये।

‘‘हमारे खिलाफ...’’

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंत्री भी रह करते हैं, ने बुधवार को विधानसभा में इस पुरुष का जिक्र किया था तथा उन्होंने ये प्रश्न भी किया था। “क्या इसका यह अर्थ निकाला जाये कि कोई व्यक्ति अपने प्रतिदिवसीय विविधियों को वश में रखने के लिए है? ही दैर्घ्य और सीमा तक जा सकता है?” उन्होंने कांग्रेस सरकार पर ही दैर्घ्य फैक्ट्री चलाने का आरोप लगाया था।

गवर्नर को यह मुद्दा जार पकड़ गया तथा वन विभाग का विषय बन गया। पारकारों में बात करते हुये, राज्य की पीड़ब्ल्यूडी मंत्री ने इस घटना की निंदा की तथा कहा कि राजनीति को ऐसी चालाकाजियों में लिप्त नहीं होना चाहिये। उन्होंने ही दैर्घ्य के खिलाफ संबंध थे, को पद से बाहर दिया गया है तथा एक दिलाई नेता के लिए गहरा विवाद से निपत्ति की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, अखिलेश सिंह, जिनके आर.जे.डी. व.लाल यादव से निपत्ति की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, अखिलेश सिंह, जिनके आर.जे.डी. व.लाल यादव से निपत्ति की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, कांग्रेस का आर.जे.डी.

को साथ लंबा गठबंधन करने पर निर्वाचन का सकता है।

दिल्ली में भी यही हुआ जहाँ कांग्रेस

ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ा जिसके परिणामस्वरूप आम आदर्श विधायिका की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, अखिलेश सिंह, जिनके आर.जे.डी. व.लाल यादव से निपत्ति की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, कांग्रेस का आर.जे.डी.

को साथ लंबा गठबंधन करने पर निर्वाचन का सकता है।

दिल्ली में भी यही हुआ जहाँ कांग्रेस

ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ा जिसके परिणामस्वरूप आम आदर्श विधायिका की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, अखिलेश सिंह, जिनके आर.जे.डी. व.लाल यादव से निपत्ति की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, कांग्रेस का आर.जे.डी.

को साथ लंबा गठबंधन करने पर निर्वाचन का सकता है।

दिल्ली में भी यही हुआ जहाँ कांग्रेस

ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ा जिसके परिणामस्वरूप आम आदर्श विधायिका की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, अखिलेश सिंह, जिनके आर.जे.डी. व.लाल यादव से निपत्ति की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, कांग्रेस का आर.जे.डी.

को साथ लंबा गठबंधन करने पर निर्वाचन का सकता है।

दिल्ली में भी यही हुआ जहाँ कांग्रेस

ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ा जिसके परिणामस्वरूप आम आदर्श विधायिका की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, अखिलेश सिंह, जिनके आर.जे.डी. व.लाल यादव से निपत्ति की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, कांग्रेस का आर.जे.डी.

को साथ लंबा गठबंधन करने पर निर्वाचन का सकता है।

दिल्ली में भी यही हुआ जहाँ कांग्रेस

ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ा जिसके परिणामस्वरूप आम आदर्श विधायिका की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, अखिलेश सिंह, जिनके आर.जे.डी. व.लाल यादव से निपत्ति की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, कांग्रेस का आर.जे.डी.

को साथ लंबा गठबंधन करने पर निर्वाचन का सकता है।

दिल्ली में भी यही हुआ जहाँ कांग्रेस

ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ा जिसके परिणामस्वरूप आम आदर्श विधायिका की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, अखिलेश सिंह, जिनके आर.जे.डी. व.लाल यादव से निपत्ति की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, कांग्रेस का आर.जे.डी.

को साथ लंबा गठबंधन करने पर निर्वाचन का सकता है।

दिल्ली में भी यही हुआ जहाँ कांग्रेस

ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ा जिसके परिणामस्वरूप आम आदर्श विधायिका की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, अखिलेश सिंह, जिनके आर.जे.डी. व.लाल यादव से निपत्ति की विधानसभा चुनाव में हार हुई।

बिहार में, कांग्रेस का आर.जे.डी.

को साथ लंबा गठबंधन करने पर निर्वाचन का सकता है।

दिल्ली में भी यही हुआ जहाँ कांग्रेस